

---

# Shri Ramakrishna prashastih

श्रीरामकृष्णप्रशस्तिः

## Document Information

---

Text title : Shri Ramakrishna prashastih

File name : rAmakRRiShNaprashestiH1.itx

Category : deities\_misc, gurudev, rAmakRiShNa

Location : doc\_deities\_misc

Author : Swami Vivekananda

Proofread by : Aruna Narayanan

Description-comments : rAmakRiShNastotramALA, stavanAnjali

Acknowledge-Permission: Ramakrishna Shivananda Mission, Varasat

Latest update : June 12, 2023

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

June 12, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shri Ramakrishna prashastih

---

### श्रीरामकृष्णप्रशस्तिः

---



क्षीणाः स्म दीनाः सकरुणा जल्पन्ति मूढा जनाः

नास्तिश्च्यन्तिवदन्तु अल्लट्ट देहात्मवादातुराः ।

प्राप्ताः स्म वीरा गतभया अभयं प्रतिष्ठां यदा

आस्तिश्च्यन्तिवदन्तु यिनुमो रामकृष्णदासा वयम् ॥ १ ॥

पीत्वा पीत्वा परमपीयूषं वीतसंसाररागाः

छित्वा छित्वा सकलकलङ्कप्रापिणीं स्वार्थसिद्धिम् ।

ध्यात्वा ध्यात्वा श्रीगुरुचरणं सर्वकल्याणरूपं

नत्वा नत्वा सकलभुवनं पातुमामन्त्रयामः ॥ २ ॥

प्राप्तं यद्वै त्वनादिनिधिनं वेदोदधिं मथित्वा

दत्तं यस्य प्रकरणे ङरिङर ब्रह्मादित्देवैर्बलम् ।

पूर्णां यत्तु प्राणसारैर्भौमनारायणानां

रामकृष्णस्तनुं धत्ते तत्पूर्णापात्रमिदं भोः ॥ ३ ॥

इति स्वामिविवेकानन्दविरचिता “श्रीरामकृष्णप्रशस्तिः” समाप्ता ।

Proofread by Aruna Narayanan

---

*Shri Ramakrishna prashastih*

pdf was typeset on June 12, 2023

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

